दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, रविवार 24 जुलाई 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 296

महत्वपूर्ण एवं खास

तेज रफ्तार हाइवा ने ऑटों को मारी टक्कर, सात की मौत

नूंह (आरएनएस)। हरियाणा के नूंह जिले में एक दर्दनाक हादसा हो गया है। यहां एक ट्रक पलटने से ऑटों में बैठे 7 लोगों की मौत हो गई है। जबकि चार लोग गंभीर रुप से घायल हो गए है। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, घटना पुन्हाना के बिछोर थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि सभी मृतक ऑटों सवार होकर जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार हाइवा ने ऑटों को जोरदार टक्क्र मार दी। जिससे दोनों वाहन सडक़ किनारे गड्ढे पर जा गिरे। इस हादसे में 7 लोगों की मौत की खबर है। घटना के बाद आसपास के लोगों ने किसी तरह सडक़ से सभी को किनारे किए और तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी।

लापता पालतू तोता मिला, परिवार ने 85 हजार दिया इनाम

तुमकुरु (आरएनएस)। पिछले कुछ दिन पहले एक परिवार का पालतू पालतू तोता गायब हो गया था, तोता गायब होने से परेशान मालिक ने इसे खोजने वालों के लिए 50,000 रुपये के इनाम की घोषणा की थी, इनाम की घोषणा के एक सप्ताह के बाद तोता वापस परिवार को मिल गया है। तोता मिलने से खुश परिवार ने अफ्रीकी ग्रे तोता 'रुस्तमा' को खोजने वाले को पहले घोषित किए गए 50,000 रुपये के बजाय 85,000 रुपये का इनाम दिया। उनका पालतू कर्नाटक के तुमकुरु शहर में लापता हो गया था। इससे पहले, तोता लापता होने के बाद मालिक ने 30,000 पोस्टर चस्पा किये थे। तुमकुरु के बंदेपाल्या निवासी श्रीनिवास ने अपने आवास के सामने दुर्लभ तोते को देखा और उसे अपने पास सुरक्षित रख लिया। श्रीनिवास को पक्षी की खोज और पड़ोसियों द्वारा इनाम के बारे में पता चला। श्रीनिवास ने तब मालिक को बुलाया और तोता उन्हें लौटा दिया। एक पशु कार्यकर्ता और पक्षी के मालिक रवि के अनुसार, उनके परिवार ने तुमकुरु जिले के जयनगर इलाके में अपने घर पर दो अफ्रीकी ग्रे तोतों का पाल रखा है। परिवार हर साल दो तोतों का जन्मदिन धूमधाम से मनाता है। तोते के साथ परिवार का जुड़ाव और खोए हुए तोते को खोजने और वापस पाने के उनके प्रयास ने राज्य में लोगों और पशु प्रेमियों को हैरान कर दिया था। बहरहाल, तोता मालिक को वापस मिल गया है।

ईरान में अचानक आई बाढ़ से 17 लोगों की मौत, कई लापता

तेहरान। ईरान के सूखा प्रभावित दक्षिणी फार्स प्रांत में अचानक आई बाढ़ के कारण 17 लोगों की मौत हो गई। शहर में बहने वाली रूदबल नदी का जलस्तर भारी बारिश के कारण काफी बढ़ गया। कारेगर के मुताबिक, बचाव दलों ने बाढ़ में फंसे 55 लोगों को बचा लिया, जबकि 6 लोग अब भी लापता हैं। ईरान जलवायु परिवर्तन के कारण दशकों से सूखे का सामना कर रहा है। मौसम विज्ञान विभाग ने पिछले दिनों देशभर में संभावित भारी मौसमी बारिश को लेकर चेतावनी जारी की थी। विशेषज्ञों के मुताबिक ईरान में नदियों के किनारे बड़े पैमाने पर इमारतों और सडक़ों के निर्माण से अचानक आने वाली बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। मार्च 2018 में फार्स प्रांत में अचानक आई बाढ़ से 44 लोगों की जान चली गई थी। फ्रांस प्रांत में काउंटी के गवर्नर युसेफ कारगर ने कहा कि कल शाम लगभग 5 बजे, एस्टेहबान काउंटी के मध्य भागों में इस्ताहबान और रूदबल शहरों में भारी बारिश के कारण बाढ़ आ गई। इस दौरान जो स्थानीय लोग और दूसरी जगहों से आए लोग नदी किनारे गए थे वो लोग उसकी चपेट में आ गए।

लेडी कांस्टेबल को गाड़ी से कुचलने के आरोप में 3 तस्कर गिरफ्तार

रांची (आरएनएस)। रांची में लेडी सबइंस्पेक्टर संध्या टोपनो को गाड़ी से कुचलकर मार डालने की वारदात में पुलिस ने तीन पशु तस्करों मो. शाहिद, मो. ताहिर सहित एक अन्य को गिरफ्तार किया है, जिस गाड़ी से वारदात अंजाम दी गई थी, उस पर ये तीनों भी सवार थे। गाड़ी चला रहे निजार को पुलिस ने वारदात के दिन ही गिरफ्तार कर लिया था। गौरतलब है कि बीते बुधवार को रांची के तुपुदाना थाना क्षेत्र अंतर्गत हुलहुंडू में हाइवे पर पशु तस्करों की पिकअप वैनने लेडी इंस्पेक्टर संध्या टोपनो को उस वक्त कुचल डाला था, जब वह उनके वाहन की चेकिंग कर रही थी। पशुओं से लदी यह पिकअप वैन तीन थाना क्षेत्रों में पुलिस बैरियर तोडक़र भाग रही थी।

राज्य में 18 जिलों में होगी जोरदार बारिश, रेड और आरेंज अलर्ट जारी

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में लगातार भारी बारिश का सिलसिला जारी है,जिसके चलते नदी नाले उफान पर आ गए है, नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, बांधों के गेट खोले गए है, कई हाईवे बंद हो गए और सैकड़ों गांव बाढ़ की चपेट में है।छत्तीसगढ़ मौसम विभाग ने आज शनिवार 23 जुलाई को बिलासपुर, भिलाई, रायपुर और दुर्ग समेत 18 ज्यादा जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।इसके लिए विभाग ने रेड और येलो अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग के अनुसार, आज शनिवार 23 जुलाई को धमतरी, गरियाबंद, कांकेर, कोंडागांव, नारायणपुर, बस्तर, बीजापुर, दंतेवाड़ा व उससे लगे क्षेत्रों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है वही रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, बलौदाबाजार, महासमुंद, बेमेतरा, कबीरधाम, बालोद, जांजगीर, बिलासपुर में यलो अलर्ट की चेतावनी दी है। मानसून के असर से 23 जुलाई तक विभिन्न क्षेत्रों में भारी वर्षा के साथ आकाशीय बिजली गिरने और चमकने की संभावना है।

छत्तीसगढ़ मौसम विभाग ने आज 18 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। 8 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जबकि 10 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है. आज प्रदेश के कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। इस बार छत्तीसगढ़ में अब तक 459.4 मिमी औसत बारिश दर्ज की गई है, जो बीते सालों की तुलना में 5 फीसदी ज्यादा है। एक जून से 21 जुलाई यानि 51 दिनों में प्रदेश में 465.1 मिमी वर्षा हुई है,जो सामान्य वर्षा की तुलना में पांच प्रतिशत ज्यादा है।

आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 459.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से आज 22 जुलाई तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1156.9 मिमी और बलरामपुर जिले में सबसे कम 152.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है।

मुख्यमंत्री ने चक्रवाती बारिश को देखते हुए सभी कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों और नगरीय निकायों को सतर्क रहने के दिए निर्देश

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने चक्रवाती बारिश को देखते हुए सभी जिला कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों और नगरीय निकायों को सतर्क रहने के दिए निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में जलभराव और बाढ़ जैसी किसी भी स्थिति से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन संबंधी सभी उपाय सुनिश्चित करने को कहा है। अंदरुनी ओडिशा के ऊपर और चक्रीय चक्रवात का घेरा और प्रबल हो जाने के कारण प्रदेश में सरगुजा संभाग को छोडक़र शेष संभागो के जिलों में कुछ स्थानों पर भारी बारिश और एक दो स्थानों पर अति भारी वर्षा होने की प्रबल संभावना है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश में हो रही लगातार बारिश को देखते हुए संभावित प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव के उपायों की सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश सभी जिला कलेक्टरों को दिए हैं। उन्होंने कहा कि जलभराव और बाढ़ की स्थिति में किसी भी तरह की विपरित परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी सतर्कता रखी जाए। लोगों के बचाव और उन्हें राहत पहुंचाने की सभी तैयारी भी रखी जाए।

मुख्यमंत्री ने निचले और संभावित प्रभावित इलाकों में आपदा प्रबंधन दल को मुस्तैद रखने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि आवश्यकता पडऩे पर प्रभावितों को तत्काल आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा है नदी नालों के जल स्तर पर लगातार निगरानी रखी जाए। इसकी जानकारी नियमित रूप से कंट्रोल रूम में दी जाए। जहां भी जलभराव और बाढ़ की स्थिति निर्मित हो सकती है वहां पूर्व से ही सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली जाए। मुख्यमंत्री ने जिला कलेक्टरों से कहा है कि बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में नजदीक के भवनों में अस्थाई राहत शिविर की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने राज्य आपदा मोचन बल सहित प्रभावित जिलों के जिला पुलिस बल, होमगार्ड, राजस्व विभाग, स्वास्थ्य विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, विद्युत विभाग, लोक निर्माण, खाद्य विभाग, नगरीय निकायों आदि के अधिकारियों को भी सचेत एवं सतर्क रहने को कहा है।

भारी बारिश के बाद फिर रोकी गई अमरनाथ यात्रा, तीर्थयात्रियों का जत्था जम्मू वापस भेजा

श्रीनगर (आरएनएस)। अमरनाथ यात्रा करने की इच्छा रखने वाले श्रद्धालुओं के लिए बड़ी खबर सामने आई है। भारी बारिश के बाद जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग बंद होने के कारण अमरनाथ यात्रा रोकी गई और तीर्थयात्रियों का जत्था वापस जम्मू भेजा गया।

हालांकि अब बालटाल से 1500 यात्री, नुनवन बेस कैंप से 2000 यात्री गुफा की ओर रवाना हो गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, अभी बादल छाए हुए हैं और दोनों मार्गों पर हल्की बारिश हो रही है। अगर बारिश तेज हुई तो यात्रियों को सुरक्षित जगहों पर रोका जाएगा।

मौसम विभाग के अनुसार, आज और कल यहां बारिश की संभावना है। वहीं श्रीनगर जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी बारिश हो रही है। शूटिंग स्टोन्स और भूस्खलन के चलते इसको बंद कर दिया गया है। हालांकि मुगल रोड और श्रीनगर जोजिला हाईवे वाहनों की आवाजाही के लिए फिलहाल खुले हुए हैं। गौरतलब है कि 43 दिन की अमरनाथ यात्रा 30 जून को शुरू हुई थी और 11 अगस्त को रक्षाबंधन के मौके पर खत्म होगी।

शिक्षक भर्ती घोटाले में बड़ी कार्यवाई, 26 घंटे की पूछताछ के बाद ममता के मंत्री पार्थ चटर्जी गिरफ्तार, अर्पिता मुखर्जी भी हिरासत में

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के मंत्री पार्थ चटर्जी को शिक्षक भर्ती घोटाले के मामले में शनिवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार कर लिया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच के सिलसिले में शुक्रवार को दो मंत्रियों समेत करीब एक दर्जन लोगों के घरों पर एक साथ छापेमारी की और भारी मात्रा में नकदी जब्त की। एजेंसी के एक अधिकारी ने कहा कि अधिकारियों ने यहां पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ मंत्री पार्थ चटर्जी के आवास पर छापा मारा और शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच के संबंध में उनसे 11 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की। ईडी के अधिकारियों ने राज्य के उत्तरी हिस्से में कूचबिहार जिले में एक अन्य मंत्री परेश अधिकारी के घर का भी दौरा किया और उनके परिवार के सदस्यों से बात की। वह (मंत्री) इस समय कोलकाता में हैं।

इसके अलावा, उन्होंने पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) के पूर्व सलाहकार शांति प्रसाद सिन्हा, पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष कल्याणमय गांगुली और नौ अन्य लोगों के घरों पर एक साथ छापे मारे। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) उच्च न्यायालय के निर्देश पर पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग की सिफारिशों पर सरकार द्वारा प्रायोजित व सहायता प्राप्त स्कूलों में समूह 'सी' और 'डी' के कर्मचारियों व शिक्षकों की भर्ती में हुई कथित अनियमितताओं की जांच कर रहा है। वहीं, प्रवर्तन निदेशालय इस मामले से संबंधित कथित धनशोधन की तफ्तीश में जुटा है।

एजेंसी ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से ट्वीट किया, ईडी पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग और पश्चिम बंगाल प्राथमिक शिक्षा बोर्ड में भर्ती घोटाले से जुड़े विभिन्न परिसरों में तलाशी अभियान चला रहा है। एजेंसी ने एक कमरे के अंदर भारी मात्रा में नकदी का ढेर लगे होने की चार तस्वीरें साझा कीं। अभी उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पद पर काबिज चटर्जी उस समय शिक्षा मंत्री थे, जब कथित घोटाला हुआ था। सीबीआई दो बार उनसे पूछताछ कर चुकी है। पहली बार पूछताछ 25 अप्रैल, जबकि दूसरी बार 18 मई को की गई थी।'

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया जीरो अकाउंटेबिलिटी पर काम कर रहा, यह न्याय और लोकतंत्र के लिए नुकसानदेह : सीजेआई रमन्ना

रांची (आरएनएस)। भारत के चीफ जस्टिस एन वी रमन्ना ने कहा है कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया पर गैरजिम्मेदाराना रिपोर्टिंग और बहस की वजह से न्यायपालिका को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। प्रिंट मीडिया में आज भी एक अकाउंटबिलिटी दिखती है, लेकिन इलेक्ट्रॉनिक मीडिया जीरो अकाउंटबिलिटी के आधार पर काम कर रहा है। कई मामलों मे मीडिया कंगारू कोर्ट लगा लेता है। मीडिया ट्रायल किसी भी हाल में लोकतंत्र के लिए अच्छी बात नहीं है।

चीफ जस्टिस शनिवार को रांची स्थित ज्यूडिशियल एकेडमी में जस्टिस एसबी सिन्हा मेमोरियल लेक्च र में 'लाइफ ऑफ जज' विषय पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि मीडिया अक्सर मामलों को इस तरह उछालता है, जिससे न्यायपालिका की छवि तो प्रभावित होती ही है, अनुभवी जजों को भी फैसला लेने में दिक्कत आती है। न्याय देने से जुड़े मुद्दों पर गलत सूचना और एजेंडा चलाने वाली मीडिया बहस लोकतंत्र की सेहत के लिए हानिकारक साबित हो रही है। सोशल मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को अपनी आवाज का उपयोग लोगों को शिक्षित करने, उन्हें दिशा दिखाने के लिए करना चाहिए।

न्यायपालिका की चुनौतियों का जिक्र करते जस्टिस रमन्ना ने कहा कि अदालतों में काफी संख्या में लंबित मामलों को लेकर सवाल उठते रहे हैं। फ्रैजाइल ज्यूडिशियरी के लिए हमारे पास आधारभूत संरचना नहीं है। इस चुनौती का सामना करने के लिए हमें आधारभूत संरचना विकसित करनी होगी, ताकि जज फूल पोटेंशियल के साथ काम कर सकें। उन्होंने कहा कि जज सामाजिक दायित्वों से भाग नहीं सकते हैं। ज्यूडिशियरी को भविष्य की चुनौतियों के लिए लंबी अवधि की योजना बनानी होगी। जज और ज्यूडिशियरी को एक यूनिफार्म सिस्टम विकसित करना होगा। मल्टी डिसिप्लीनरी एक्शन मोड में काम करना होगा। जरूरी है कि हम सस्टेनेबल मेथड ऑफ जस्टिस की अवधारणा लागू करने की दिशा में आगे बढ़ें। जजों को भी सिस्टम को टालने योग्य संघर्षों और बोझ से बचाने के लिए प्राथमिकता के आधार पर मामलों की सुनवाई करनी होगी। उन्होंने जजों पर बढ़ते हमलों पर चिंता जतायी।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर महिला से दुष्कर्म करने वाले चारों अपराधियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (आरएनएस)। राजधानी में एक 30 वर्षीय महिला को रेलवे में नौकरी दिलाने के बहाने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की ट्रेन लाइटिंग हट में ले जाकर चार रेलवे कर्मचारियों द्वारा यौन उत्पीडऩ किया गया। पुलिस ने कहा कि उन्हें घटना के संबंध में शुक्रवार को फोन आया था। दिल्ली पुलिस के रेलवे डीसीपी हरेंद्र के सिंह ने कहा कि चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, सभी आरोपी बिजली विभाग में रेलवे कर्मचारी हैं।

आरोपियों की पहचान सतीश कुमार, विनोद कुमार, मंगल चंद मीणा और जगदीश चंद के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया, कॉल पहले पीएस ओडीआरएस पर दोपहर लगभग 2.27 बजे आई थी। वहां के कर्मचारियों ने कॉलर की तलाश की, लेकिन वह नहीं मिली। दिए गए मोबाइल नंबर पर उससे संपर्क करने पर पता चला कि वह प्लेटफॉर्म नंबर 8-9 पर खड़ी है। पुलिस ने बताया कि एसएचओ तुरंत स्टाफ के साथ 8-9 प्लेटफॉर्म पर पहुंचे, जहां उन्होंने पीडि़ता से मुलाकात की।

पीडि़ता ने बताया कि वह पिछले एक साल से अपने पति से अलग है और तलाक मांग रही है। करीब 2 साल पहले वह एक कॉमन फ्रेंड के जरिए सतीश के संपर्क में आई थी। उसने उससे कहा कि वह एक रेलवे कर्मचारी है और उसके लिए नौकरी की व्यवस्था कर सकता है। दोनों फोन पर बात करते रहे। 21 जुलाई को उसने अपने बेटे के जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने के लिए उससे अपने घर आने के लिए कहा। वह रात करीब साढ़े दस बजे मेट्रो से कीर्ति नगर आई। जहां से आरोपी उसे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पीएफ 8-9 ले आए। उसने उसे बिजली के रखरखाव कर्मचारियों के लिए बने एक झोपड़ी में बैठने के लिए कहा। पुलिस ने कहा, फिर वह और उसका दोस्त कमरे के अंदर आए और उसे अंदर से बंद कर दिया और एक के बाद एक उसका यौन उत्पीडऩ किया। उसके दो साथियों ने कमरे के बाहर पहरा दिया। पीडि़ता को पास के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया। उसकी मेडिकल रिपोर्ट में दुष्कर्म की पुष्टि हुई है। पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत साथ सामेहिक दुष्कर्म की प्राथमिकी दर्ज कर चारों को गिरफ्तार कर लिया है।

पर्यटन और संस्कृति दर्शन का नया केंद्र होगा ऐतिहासिक 'कर्जन ब्रिज'

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा नदी पर निर्मित 115 साल पुराने कर्जन ब्रिज को योगी सरकार पर्यटन के एक नए केंद्र के रूप में विकसित करने जा रही है। योजना के तहत लॉर्ड कर्जन ब्रिज को गंगा गैलरी तथा हेरीटेज पर्यटन स्थल के रूप में किया जाएगा।

विकसित रेलवे ब्रिज पर ग्लास का फर्श लोगों को लुभाएगा तो दर्शकों के लिए प्रयागराज की ऐतिहासिकता एवं ऐतिहासिक धरोहर को प्रदर्शित होगी। यह परियोजना अर्थगंगा योजना का हिस्सा होगी, जो भारतीय संस्कृति और धार्मिक पर्यटन पर फोकस करेगी। इसके साथ ही गंगा किनारे के दोनों तरफ विभिन्न प्रकार कारोबार को बढ़ावा भी मिलेगा।

बीते दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लॉर्ड कर्जन ब्रिज को सजाने-संवारने की कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया है। कार्ययोजना के मुताबिक पर्यटन विभाग द्वारा कर्जन ब्रिज पर गंगा गैलरी स्थापित कराई जाएगी। पुल के दोनों किनारों पर रेलवे की जमीन है, जिसमें श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की सुविधा के लिए पार्किं ग, टॉयलेट, टिकट काउंटर, कैफेटेरिया आदि बनाए जाएंगे। रेलवे पुल पर मां गंगा के उद्भव से लेकर गंगा सागर तक की यात्रा प्रदर्शित होगी। साथ ही प्रयागराज की पौराणिकता, धार्मिकता एवं सांस्कृतिक विरासत को लाइट एंड साउंड के माध्यम से देखने-समझने का मौका मिलेगा।

ब्रिज सौंदर्यीकरण की योजना पूरी हुई तो प्रयागराजवासियों को सुबह की सैर शाम की मस्ती के लिए एक नया ठिकाना भी मिलेगा। यहां पुल के उपरी तल सडक़ पर भारतीय व्यंजनों, शिल्प आदि की सचल वाहनों के माध्यम से बिक्री की योजना भी है। इससे पर्यटक 100 साल से अधिक पुराने इस पुल एवं मां गंगा के बारे में महत्व की जानकारी तो पाएंगे ही, स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिल सकेगा। मुख्यमंत्री ने रेलवे ब्रिज पर ग्लास का फर्श एवं उसके दोनों ओर रेलिंग बनाने के निर्देश दिए हैं। सेतु एवं सडक़ के मध्य स्थान को आकर्षक बनाया जाएगा।

प्रयागराज आदिकाल से कुंभ के लिए विश्वविख्यात रहा है, सो पुल पर समुद्र मंथन की घटना को प्रमुखता से दर्शाया जाएगा। सिंचाई विभाग द्वारा गंगा के प्रवाह को चैनलाइज किया जाएगा तथा कर्जन ब्रिज से संगम तक फेरी की सुविधा भी होगी। कर्जन ब्रिज को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए प्रयागराज प्रशासन एवं रेलवे आपस में समन्वय कर परियोजना को अमली जामा पहनाएंगे। इस दिशा में जल्द ही काम शुरू होने जा रहा है।

बता दें कि प्रयागराज स्थित गंगा नदी पर फाफामऊ एवं प्रयागराज को जोडऩे वाले कर्जन ब्रिज को 1899 से 1905 तक भारत में वायसराय रहे लॉर्ड कर्जन के नाम पर वर्ष 1901 में स्वीकृति मिली तथा जनवरी, 1902 में इसका निर्माण शुरू हुआ। इस क्षेत्र में 61 मीटर लंबे गर्डर और 15 पिलर का प्रयोग किया गया है। पुल के नीचे की ओर सिंगनबाड़ गेज रेलवे लाइन तथा ऊपर सडक़ का निर्माण किया गया। उस कालखंड से लेकर 1990 तक यह रेलवे पुल यातायात के लिए सक्रिय रहा। अत्यधिक पुराना होने के कारण रेलवे ने इसे वर्ष 1998 में यातायात के लिए प्रतिबंधित कर दिया। इसके पश्चात रेल मंत्रालय ने इसे तोडऩे का निर्णय लिया, लेकिन राज्य सरकार के अनुरोध पर इसे ऐतिहासिक रेलवे सेतु को राज्य सरकार को सौंप दिया गया।

इस पुल के इतिहास को देखते हुए एवं इसके साथ दीर्घकाल की स्मृतियों के जुड़ा होने के कारण राज्य सरकार ने इसे टूरिस्ट स्पाट के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। अंग्रेजों के दौर का बनाया हुआ यह रेलवे पुल स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास का भी साक्षी रहा है।